प्रसिद्ध साहित्यकार विजयदान देथा 'बिज्जी' शताब्दी समारोह का चूरू में शुभारंभ

बिज्जी ने शब्द की महत्ता को समझा और शब्द के साथ अजर-अमर हो गए : डॉ. घासीराम वर्मा

जयपुर /चूरू। प्रयास संस्थान की ओर से सुप्रसिद्ध साहित्यकार विजयदान देथा 'बिज्जी' शताब्दी समारोह का शुभारंभ सोमवार को चूरू में महान गणितज्ञ एवं समाजसेवी डॉ. घासीराम वर्मा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. कल्याणसिंह शेखावत ने की। पद्मश्री डॉ. चन्द्रप्रकाश देवल ने बिज्जी के साहित्य पर बीज भाषण दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. सत्यनारायण एवं श्याम महर्षि मंचासीन रहे। प्रयास संस्थान के अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने अतिथियों का स्वागत करते हुए समारोह की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. उम्मेद गोठवाल ने किया।

चूरू में आयोजित समारोह को कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

- पद्मश्री डॉ. चन्द्रप्रकाश देवल ने बिज्जी के साहित्य पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि बिज्जी आधुनिक राजस्थानी के पहले गद्य पुरुष थे

उद्घाटन करते हुए डॉ. घासीराम वर्मा ने कहा कि बिज्जी ने शब्द की महत्ता को समझा और शब्द के साथ स्वयं भी अजर-अमर हो गए। वे विश्व स्तर के साहित्यकार थे। उनका साहित्य अपनी लोक जड़ों से जुड़ा होने के साथ-साथ सार्वभौमिक संवेदनाओं को अभिव्यक्त करता है। बीज भाषण देते हुए पद्मश्री डॉ. चन्द्रप्रकाश देवल ने बिज्जी के साहित्य पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि बिज्जी आधुनिक राजस्थानी के पहले गद्य पुरुष थे। कहानी कैसे लिखी जाती है, यह बिज्जी से सीखा जाना चाहिए। उन्होंने सीमाओं का अतिक्रमण करते हुए अखिल भारतीय स्तर पर राजस्थानी भाषा और साहित्य को पहचान दिलाई। कथा लेखन, संस्थान संचालन और संपादन से लेकर भाषा संस्कार तक बिज्जी ने उल्लेखनीय कार्य किया। विशिष्ट अतिथि श्याम महर्षि ने कहा कि बिज्जी हम सबके लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। उनका नोबेल पुरस्कार के लिए नामांकित होना बिज्जी के साथ-साथ राजस्थानी साहित्य के वैश्विक कद को भी दर्शाता है। डॉ. सत्यनारायण ने बिज्जी को याद करते हुए कहा कि वे 'प्रोत्साहन पुरुष' थे। अनेक युवा लेखकों को उनके प्रोत्साहन से साहित्य में पहचान मिली और वे आज स्थापित लेखक के रूप में हमारे सामने हैं। उन्होंने बिज्जी के साथ बिताए दिनों को याद करते हुए कई आत्मीय संस्मरण भी सुनाए।

उद्घाटन सत्र के बाद दूसरे सत्र में 'बिज्जी और उनका रचना संसार' विषय पर विचार गोष्ठी हुई। इसकी अध्यक्षता राजाराम भादू ने की। फारूक अफरीदी, मालचंद तिवाड़ी, विनोद भारद्वाज, बुलाकी शर्मा, राजेन्द्र शर्मा 'मुसाफिर', महेन्द्र नेह, सत्येन्द्र चारण एवं दीनदयाल शर्मा ने बिज्जी के रचना संसार के विभिन्न पक्षों पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। संचालन डॉ. हरिमोहन सारस्वत ने किया। तीसरे सत्र में 'बिज्जी के लेखन में लोक' विषय पर विचार गोष्ठी हुई, जिसकी अध्यक्षता नंद भारद्वाज ने की। रामस्वरूप किसान, गौरीशंकर प्रजापत, डॉ. कृष्ण जाखड़, डॉ. कालू खां देशवाली एवं मोहन सोनी 'चक्र' ने बिज्जी के साहित्य में लोक तत्व की उपस्थिति और उसकी रचनात्मक अभिव्यक्ति पर अपने विचार साझा किए। संचालन राजूराम बिजारनिया ने किया। चौथे सत्र में 'विविध रूपा बिज्जी' विषय पर गोष्ठी आयोजित हुई। अध्यक्षता डॉ. मंगत बादल ने की। डॉ. मदन सैनी, डॉ. सत्यनारायण सोनी, राजेन्द्र कसवा, राजेन्द्र जोशी, उमा सुशील बछावत, विश्वनाथ भाटी एवं डॉ. हाकम अली नागरा ने बिज्जी के व्यक्तित्व और कृतित्व के विविध पक्षों पर विचार रखे। संचालन डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा ने किया। समारोह के विभिन्न सत्रों में वक्ताओं ने बिज्जी के साहित्य, लोक चेतना, भाषा संस्कार, कथा कला और उनके बहुआयामी व्यक्तित्व को याद करते हुए उन्हें राजस्थानी साहित्य की ऐसी विराट प्रतिभा बताया जिसने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से राजस्थानी साहित्य को देश और दुनिया में विशिष्ट पहचान दिलाई। इस अवसर पर पोस्टर प्रदर्शनी रूंख, बिज्जी : एक शब्दयात्रा का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में बिज्जी के साहित्य से चयनित महत्वपूर्ण उक्तियों को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। साहित्य और चित्रकला के इस सुंदर समन्वय ने बिज्जी की रचनात्मक दृष्टि को एक नए दृश्य संदर्भ में सामने रखा। प्रदर्शनी में धर्मेंद्र पाल सिंह, पुनीत कुमार, रमेश शर्मा, रामकिशन अडिग और सुधीर बड़ोदिया ने अपने-अपने चित्रों के माध्यम से बिज्जी के विचारों और कथनों को अभिव्यक्ति दी। प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ. घासीराम वर्मा ने किया। युवा चित्रकार पुनीत कुमार ने प्रदर्शनी का संयोजन किया।

हनुमानगढ़ के लखुवाली गांव में हुई फायरिंग मामले में छह गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (निसं)। टाउन पुलिस ने लखुवाली गांव में हुई फायरिंग के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 50 हजार रुपए के इनामी हार्डकोर हिस्ट्रीशीटर इरफान खान उर्फ फान सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक 32 बोर पिस्टल, पांच देसी कट्टे, 10 जिंदा कारतूस और एक बाइक बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक इरफान के खिलाफ करीब 42 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि अन्य आरोपियों का भी आपराधिक रिकॉर्ड सामने आया है। इस मामले में पुलिस पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

- टाउन पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक 32 बोर पिस्टल, पांच देसी कट्टे, 10 जिंदा कारतूस और एक बाइक बरामद की
- इनामी हार्डकोर हिस्ट्रीशीटर इरफान खान के खिलाफ 42 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि अन्य आरोपियों का भी आपराधिक रिकॉर्ड सामने आया

जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के निर्देश पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 10 अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया। इनमें हनुमानगढ़ टाउन थाना, लखुवाली चौकी, शेरगढ़ चौकी, जिला विशेष टीम और एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के सदस्य शामिल थे। टीमों ने हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर और बीकानेर समेत आसपास के इलाकों में लगातार दबिश दी। फायरिंग की घटना के तुरंत बाद जिले में ए-श्रेणी की नाकाबंदी कराई गई। पुलिस ने आरोपियों की आवाजाही का पता लगाने के लिए 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। टोल नाकों से भी जानकारी जुटाई गई और दर्जनों संदिग्धों से पूछताछ की गई। आरोपियों के संभावित भागने के रास्ते का पता लगाने के लिए पुलिस ने रूट मैप तैयार किया। इसके आधार पर संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी गई। पुलिस ने खेतों और बीहड़ क्षेत्रों में तलाश के लिए ड्रोन कैमरों की मदद भी ली।

पुलिस के अनुसार 30-31 अगस्त की मध्यरात्रि को हनुमानगढ़ से रावतसर जाने वाले मेगा हाइवे पर शेरगढ़ चौकी के पास नाकाबंदी की गई थी। इसी दौरान पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि एक बाइक पर सवार दो युवक भारतमाला रोड से चौहिलांवाली होते हुए चक 22 एनडीआर की तरफ भागे हैं। इनमें लखुवाली फायरिंग मामले का आरोपी इरफान खान भी शामिल था। सूचना मिलते ही पुलिस टीम चक 22 एनडीआर, आदर्शनगर और सेम नाला क्षेत्र की ओर रवाना हुई। लिंक रोड पर पुलिस को सामने से एक बाइक आती दिखाई दी। पुलिस को देखते ही सवार ने बाइक दूसरी दिशा में भगाने का प्रयास किया, लेकिन हड़बड़ाहट में दोनों युवक बाइक से गिर गए। पुलिस ने मौके पर इरफान खान उर्फ फान और प्रियकांत उर्फ टोनी ताखर को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 32 बोर की एक पिस्टल, एक देसी कट्टा और छह जिंदा कारतूस बरामद हुए।

पुलिस के मुताबिक पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने अपने अन्य साथियों के मेगा हाईवे पर लखुवाली की रोही में इंतजार करने की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस टीमों ने संभावित ठिकानों पर दबिश देकर जुमे खां पुत्र बरकत अली, जुम्मे खां पुत्र अकलीम खां उर्फ किमा, इब्राहिम पुत्र नूरजहां और नदीम खान को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के खिलाफ थाना हनुमानगढ़ टाउन में अलग-अलग मामले दर्ज कर आर्म्स एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में कार्रवाई की गई है। पुलिस ने आगे की जांच और विस्तृत पूछताछ शुरू कर दी है।

अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों के पास इतनी संख्या में हथियार कहां से आए और इस पूरे नेटवर्क में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस ने मामले में विस्तृत पूछताछ और अनुसंधान जारी रखा है।

मंडोर एक्सप्रेस से गिरा युवक, मौत

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती डांगियावास के आसरनाडा रेलवे ट्रेक पर एक युवक मंडोर एक्सप्रेस से चलती ट्रेन नीचे गिर गया। गंभीर चोट लगने पर उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई की तरफ से डांगियावास थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। डांगियावास पुलिस ने बताया कि सफेदबड़ी मकराना डीडवाना निवासी बीरबल पुत्र हनुमान राम की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका भाई 28 वर्षीय बाबूलाल मंडोर एक्सप्रेस ट्रेन में सवार होकर घर आ रहा था। ट्रेन जब आसरनाडा रेलवे ट्रैक पर पहुंची तब वह चलती ट्रेन से नीचे गिर गया और गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। डांगियावास पुलिस ने शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया।

हादसे में एक ही परिवार के पांच लोग घायल

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिले के सेतरावा कस्बे में भणियाणा देवीकोट सड़क मार्ग पर सोमेसर तिराहे के पास एक बोलेरो कैम्पर और पत्थरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की भीषण भिड़ंत हो गई। इस हादसे में कैम्पर में सवार एक ही परिवार के पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से तीन को प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना प्रतापगढ़ पुराने पेट्रोल पंप से कुछ पहले हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई, जबकि बोलेरो कैम्पर पूरी तरह क्षितठास्त होकर चकनाचूर हो गई।

कैम्पर में सवार सभी लोग जैसलमेर के सांकड़ा निवासी थे और एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। घायलों में जस्सूकंवर (30) पत्नी चूतरसिंह, तनवीरसिंह (8) पुत्र मनोहरसिंह, सांवलसिंह (30) पुत्र धनसिंह, बबलू कंवर (28) पत्नी मनोहरसिंह और भोपालसिंह पुत्र मनोहर है।

सभी घायलों को निजी वाहन से सेतरावा सीएचसी लाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। गंभीर रूप से घायल जस्सूकंवर, तनवीरसिंह और सांवलसिंह को बेहतर इलाज के लिए जोधपुर रेफर कर दिया गया।

राजस्थान में पहली बार बिना मां जंगल के अनुकूल बना बाघ

बूंदी, (निसं)। राजस्थान के तेजी से उभरते रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व में बिना मां के बाघ शावक को वन विभाग ने जंगल के अनुकूल बनाने में सफलता प्राप्त की है। री-वाइल्डिंग की विस्तृत वैज्ञानिक प्रक्रिया के उपरांत 23 जून 2026 को रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के प्राकृतिक वन क्षेत्र में छोड़े गए बाघ आरवीटी-7 दो माह के भीतर ही जंगल की प्राकृतिक परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाने में सफल रहा है। बाघ को जंगल में हार्ड रिलीज के बाद की गई मॉनिटरिंग के दौरान यह सामने आया है कि उसने अब तक लगभग 41 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का भ्रमण व आधा दर्जन प्राकृतिक शिकार किए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि टाइगर रिजर्व में अब तक एक छत्र राज करने वाले बाघ आरवीटी-1 के साथ इसका दो-तीन बार आमना-सामना भी हुआ लेकिन दोनों नर बाघों के बीच किसी प्रकार का संघर्ष नहीं हुआ जो इस उभरते टाइगर रिजर्व के लिए शुभ संकेत है। बाघ ने अब तक आधा दर्जन प्राकृतिक शिकार भी सफलतापूर्वक किए हैं, जो जंगल में उसकी स्वतंत्र रूप से शिकार करने की क्षमता और री-वाइल्डिंग प्रक्रिया की सफलता का महत्वपूर्ण प्रमाण है। बाघ के द्वारा इलाके में सेंट स्प्रे व पेड़ों पर पंजो के निशान करना जैसे सामान्य टेरीटोरियल व्यवहार भी देखे गए हैं। साथ ही, अन्य बाघों के गतिविधि क्षेत्रों में आने-जाने के बावजूद अभी तक कोई प्रत्यक्ष आक्रामक संघर्ष दर्ज नहीं हुआ है। इस युवा बाघ को ज्यादातर टाइगर रिजर्व की युवा बाघिन आरवीटी-6 के साथ देखा गया है तथा उसके साथ मैटिंग व्यवहार भी रिकॉर्ड किया गया है, जो उसके प्राकृतिक व्यवहार और वन्य परिस्थितियों में सफल अनुकूलन का एक महत्वपूर्ण संकेत है।

- बाघ आरवीटी-7 दो माह के भीतर ही जंगल की प्राकृतिक परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाने में सफल रहा है
- बूंदी के रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व के नाम दर्ज हुआ रिकॉर्ड

इस सम्बंध में सुगना राम जाट, वन संरक्षक एवं क्षेत्र निदेशक, रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व का कहना है कि रामगढ़ -विषधारी टाइगर रिजर्व में बाघ आरवीटी-7 की यह वैज्ञानिक री-वाइल्डिंग बाघ संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण और उत्साहजनक उपलब्धि है। बाघ की नियमित मोनिटरिंग की जा रही है।

अवैध खनन को लेकर ग्रामीणों ने सवाल उठाए

पाटन, (निसं)। स्यालोदड़ा वन क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों के अनुसार रेंज पाटन के अंतर्गत वन क्षेत्र के खसरा नंबर 133 में तालाब के पास अवैध खनन के लिए उपयोग किए जाने वाले रास्ते पर खाई बंद कर दी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यह रास्ता लंबे समय से अवैध खनन गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। वहीं, चिड़ीमार पहाड़ स्थित खसरा नंबर 72 में भी प्रतिदिन अवैध खनन होने का आरोप लगाया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार पहाड़ों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, जिससे प्राकृतिक संपदा और वन क्षेत्र के संरक्षण को लेकर चिंता बढ़ रही है। ग्रामीणों ने संबंधित वन एवं खनिज विभाग के अधिकारियों से पूरे क्षेत्र का मौका निरीक्षण करवाकर अवैध खनन की गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की है।

सवारियों से भरी बस पोल से टकराई

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी कस्बे में सोमवार को उस समय बड़ा हादसा टल गया, जब ब्रेक फेल होने से सवारियों से भरी बस अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से जा टकराई। हादसा राजकीय उप जिला अस्पताल के सामने हुआ। बस में करीब 38 सवारियां सवार थीं। गनीमत रही कि घटना के समय बिजली सप्लाई बंद थी, जिससे टूटे बिजली के तारों में करंट प्रवाहित नहीं हुआ और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार बस बबाई से सवारियों को लेकर सिंघाना जा रही थी। राजकीय उप जिला अस्पताल के सामने पहुंचते ही अचानक बस के ब्रेक फेल हो गए। चालक ने बस को नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन बस बेकाबू होकर सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बिजली का पोल क्षतिग्रस्त हो गया तथा बिजली का तार टूटकर सड़क पर जा गिरा।

सामान्य वर्ग के सम्मान को लेकर अजमेर में भाजपा के पूर्व पदाधिकारी महेंद्र सिंह भाटी का विरोध

अजमेर, (निसं)। नगर निगम चुनाव में टिकट वितरण को लेकर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व पदाधिकारी महेंद्र सिंह भाटी ने सोमवार को पार्टी नेतृत्व के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। भाटी ने सामान्य वर्ग के सम्मान और वार्डों में टिकट वितरण में कथित अनदेखी का आरोप लगाते हुए जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर सिर मुंडवाकर अपना विरोध जताया। इस दौरान उन्होंने पार्टी नेतृत्व की कार्यशैली और स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ किए जा रहे व्यवहार को लेकर सवाल उठाए। महेंद्र सिंह भाटी ने आरोप लगाया कि स्थानीय निकाय चुनाव में टिकट वितरण को लेकर तय किए गए फार्मूले के अनुसार सामान्य वर्ग के वार्डों में सामान्य वर्ग के प्रत्याशियों को प्राथमिकता दिए जाने की बात कही गई थी, लेकिन अजमेर दक्षिण क्षेत्र में इस नीति की अनदेखी की गई। उन्होंने कहा कि लंबे समय से पार्टी के लिए सक्रिय और निष्ठा पूर्वक कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की अपेक्षा की जा रही है।

- महेंद्र सिंह भाटी ने जिला मुख्यालय के बाहर सिर मुंडवाकर जताई नाराजगी, भाटी ने टिकट वितरण में कार्यकर्ताओं की उपेक्षा का आरोप लगाया

भाटी ने वार्ड 52 गुलाबबाड़ी के कार्यकर्ताओं के साथ कथित दुर्व्यवहार का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 21 अगस्त को वार्ड 52 के कार्यकर्ता संबंधित विधायक से मिलने पहुंचे थे। इस दौरान कार्यकर्ताओं की ओर से अपनी बात रखने के लिए पत्र दिया गया, लेकिन कथित तौर पर उनके साथ नाराजगी जताई गई और पत्र को फेंक दिया गया। भाटी ने कहा कि लंबे समय से पार्टी के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं के साथ इस तरह का व्यवहार उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने वाला है। उन्होंने कहा कि भाजपा की रीति-नीति और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा में उनका विश्वास है और वह लंबे समय से संगठन के लिए कार्य करते आए हैं। लेकिन पार्टी में कार्यकर्ताओं के सम्मान और उनकी भावनाओं को भी महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर कार्यकर्ता कब तक अपमान और तिरस्कार सहता रहेगा।

महेंद्र सिंह भाटी ने वार्ड 52 गुलाबबाड़ी में पिछले चुनाव के आंकड़ों का हवाला देते हुए अपने और स्थानीय कार्यकर्ताओं के राजनीतिक योगदान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान पार्टी के लिए मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। टिकट वितरण में कार्यकर्ताओं की निष्ठा, सक्रियता और पिछले चुनावों में उनके योगदान को भी आधार बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनका विरोध किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि सामान्य वर्ग के सम्मान और कार्यकर्ताओं के आत्मसम्मान से जुड़े मुद्दे को लेकर है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व से टिकट वितरण की प्रक्रिया की समीक्षा करने और निष्ठावान कार्यकर्ताओं के साथ न्याय करने की मांग की।

राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी अनिल कुमार शर्मा सेवानिवृत्त

उदयपुर, (निसं)। राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी अनिल कुमार शर्मा अपने दीर्घ एवं उल्लेखनीय प्रशासनिक सेवाकाल को पूर्ण करते हुए सेवानिवृत्त हो गए। अनिल कुमार शर्मा ने अपने सेवाकाल की अंतिम जिम्मेदारी जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग (टीएडी), उदयपुर के अतिरिक्त आयुक्त (द्वितीय) के रूप में संभाली। इसी पद पर रहते हुए उन्होंने अपनी सरकारी सेवा पूरी की और सेवानिवृत्ति ग्रहण की।

अनिल कुमार शर्मा की प्रशासनिक सेवा यात्रा की विशेष उपलब्धि यह रही कि उनका उदयपुर से लगभग 20 वर्षों तक निरंतर और महत्वपूर्ण प्रशासनिक जुड़ाव रहा। इस दौरान उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए प्रशासन, नगरीय निकाय, जनजातीय क्षेत्रीय विकास तथा सहकारिता क्षेत्र से संबंधित अनेक दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन किया।

टीएडी में अतिरिक्त आयुक्त के रूप में निभाई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी :- सेवाकाल के अंतिम चरण में शर्मा जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग, उदयपुर में अतिरिक्त आयुक्त (द्वितीय) के पद पर कार्यरत रहे। इस महत्वपूर्ण दायित्व के दौरान अनिल कुमार शर्मा ने जनजातीय क्षेत्रों के विकास से संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन, विभागीय गतिविधियों, छात्रावासों तथा जनजातीय समुदाय से जुड़े विभिन्न प्रशासनिक एवं विकासात्मक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जनजातीय क्षेत्र से लंबे समय तक जुड़े रहने के कारण उन्हें आदिवासी क्षेत्रों की प्रशासनिक आवश्यकताओं, विकास योजनाओं तथा विभागीय कार्यप्रणाली का व्यापक अनुभव प्राप्त हुआ।

टीएडी में दायित्व संभालने से पूर्व शर्मा नगर निगम उदयपुर में उप-आयुक्त के पद पर भी कार्य कर चुके हैं। अपने कार्यकाल के दौरान अनिल कुमार शर्मा ने नगरीय प्रशासन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। शहर की सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण नियंत्रण तथा अन्य नगरीय एवं प्रशासनिक मामलों में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई। नगर निगम में उनके कार्यकाल ने उन्हें शहरी प्रशासन की जटिलताओं और नागरिक सुविधाओं से जुड़े विषयों पर व्यापक प्रशासनिक अनुभव प्रदान किया। अनिल कुमार शर्मा राजस्थान जनजाति क्षेत्रीय विकास सहकारी संघ (राजस संघ), उदयपुर के प्रबंध निदेशक के पद पर भी कार्यरत रहे। इस दौरान उन्होंने जनजातीय समुदाय से संबंधित वनोपज, सहकारी गतिविधियों तथा व्यापारिक

उदयपुर में आयोजित समारोह में अनिल कुमार शर्मा को विदाई दी।

- उदयपुर में 20 वर्षों की उल्लेखनीय प्रशासनिक सेवा यात्रा का हुआ समापन, टीएडी के अतिरिक्त आयुक्त (द्वितीय) पद से सेवानिवृत्त हुये अनिल कुमार शर्मा
- अनिल कुमार शर्मा ने प्रशासन, नगर निगम, जनजातीय विकास और सहकारिता क्षेत्र में निभाई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां

कार्यों से जुड़े महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया।

राजस संघ में कार्य करते हुए अनिल कुमार शर्मा ने जनजातीय समुदाय के आर्थिक एवं सामाजिक हितों से जुड़ी गतिविधियों तथा सहकारिता क्षेत्र में कार्य करने का महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त हुआ। शर्मा की सेवा यात्रा की सबसे उल्लेखनीय विशेषताओं में से एक उनका लगभग दो दशकों तक उदयपुर से गहरा प्रशासनिक जुड़ाव रहा। विभिन्न पदों पर रहते हुए उन्होंने उदयपुर के प्रशासनिक, नगरीय, जनजातीय विकास और सहकारी क्षेत्रों में कार्य किया। एक ओर जहां नगर निगम में उन्होंने शहरी प्रशासन से जुड़े दायित्व संभाले, वहीं दूसरी ओर टीएडी एवं राजस संघ के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों और जनजातीय समुदायों के विकास से जुड़े कार्यों में योगदान दिया। इस प्रकार उनका प्रशासनिक अनुभव उदयपुर की शहरी व्यवस्था से लेकर जनजातीय अंचलों के विकास तक विस्तृत रहा।

अनिल कुमार शर्मा की दीर्घ एवं समर्पित प्रशासनिक सेवाओं के सम्मान में उनके सेवानिवृत्ति दिवस पर एक समारोह आयोजित किया गया। समारोह में उनके परिवारजनों, प्रशासनिक अधिकारियों, सहकर्मियों, पत्रकारों तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े शुभचिंतकों ने उपस्थित होकर उनकी सेवा यात्रा को याद किया और उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर रेखा शर्मा, हर्षिता शर्मा, डॉ. हर्षवर्धन एवं ए. शर्मा ने समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों, पत्रकारों, अधिकारियों, सहकर्मियों एवं शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया। परिवार की ओर से सभी अतिथियों का सम्मान एवं अभिनंदन करते हुए उनके स्नेह, शुभकामनाओं और सहभागिता के लिए धन्यवाद दिया गया। समारोह में वक्ताओं ने अनिल कुमार शर्मा के लगभग 20 वर्षों के उदयपुर से जुड़े प्रशासनिक सफर, उनकी कार्यशैली, कर्तव्यनिष्ठा एवं विभिन्न प्रशासनिक दायित्वों में उनके योगदान को स्मरण किया।

टीएडी के अतिरिक्त आयुक्त (द्वितीय) पद से सेवानिवृत्ति के साथ ही राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अनिल कुमार शर्मा की उदयपुर से जुड़ी लगभग दो दशक लंबी प्रशासनिक सेवा यात्रा का एक महत्वपूर्ण अध्याय पूर्ण हुआ।

उदयपुर में एवीवीएनएल देबारी के जेईएन ने दस हजार की रिश्वत ली

उदयपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो उदयपुर की टीम ने एवीवीएनएल ऑफिस देबारी के जेईएन को पीड़ित से दस हजार रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी उदयपुर को एक शिकायत मिली कि परिवादी के गांव खाम की मादड़ी स्थित निर्माणाधीन मकान पर घरेलु विद्युत कनेक्शन करने की एवज में सागर मीणा जेईएन एवीवीएनएल आफिस देबारी उदयपुर द्वारा रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है। पीड़ित द्वारा ई-मित्र से ऑनलाईन आवेदन करने के बाद 18 अगस्त को आरोपी जेईएन सागर मीणा, लाईनमैन प्रेमजी द्वारा मौका सर्वे किया तथा विद्युत कनेक्शन के लिए डीपी एवं पोल लगाए जाने की आवश्यकता बताई गई। सागर मीणा ने सरकारी डिमांड राशि के अतिरिक्त 35 हजार रूपये खर्चा-पानी के रूप में देने की मांग की। इस संबंध में परिवादी अपने मित्र के साथ आरोपी से मिला। बातचीत के दौरान रिश्वत15 हजार रूपये मांगी तथा रूपये नहीं देने पर फाईल आगे नहीं बढेगी। इस पर शिकायत का सत्यापन कराया तो आरोपी सागर मीणा द्वारा रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इस दौरान 5 हजार रूपये आरोपी ने वसूल लिए तथा शेष 10 हजार बाद में लेना तय किया। इस पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के उप महानिरीक्षक पुलिस डॉ.रामेश्वरसिंह के पर्यवेक्षण में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो उदयपुर के अनन्त कुमार के निर्देशन में पुलिस निरीक्षक रामसुमेर मीणा के नेतृत्व में ट्रेप कार्यवाही कर कार्यालय में परिवादी से10 हजार रूपये रिश्वत लेते आरोपी सागर मीणा को गिरफ्तार किया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेश्का पुलिस स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक एस परिमला के पर्यवेक्षण में आरोपी सागर मीणा के उदयपुर एवं बांसवाड़ा स्थित आवासीय मकान एवं फ्लेट की सघन तलाशी के साथ साथ आरोपी से विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

जोधपुर में परचूनी आइटमों के वेयर हाउस में आग से लाखों का माल जला

जोधपुर, (कासं)। शहर के बासनी औद्योगिक क्षेत्र प्रथम चरण में आए बासनी रेलवे स्टेशन रोड-सुशील उद्योग के नजदीक सोमवार की तडक़े एक परचूनी आइटमों के वेयर हाउस में भीषण आग लग गई। हालांकि आगजनी में कोई जनहानि नहीं हुई है, मगर लाखों का माल जलकर नष्ट हो गया। आग लगने का कारण प्रथमदृष्टया शार्ट सर्किट माना जा रहा है। जोधपुर नगर निगम की एक दर्जन दमकलों ने 50 फेरे कर तीन घंटे में इस आग पर काबू पाया।

बासनी फायर स्टेशन के प्रभारी प्रशांत सिंह ने बताया कि बासनी प्रथम फेज स्थित बासनी रेलवे स्टेशन-सुशील उद्योग के पास में ब्लैंककीट का वेयरहाउस आया हुआ है, जोकि 100 गुणा 100 से ज्यादा परिसर में बना है। यह वेयर रात डेढ़-दो बजे बंद होता है। सोमवार की तड़के सवा चार बजे के आस पास यहां पर मौजूद एक चौकीदार को आग लगने का पता लगा। उसने अपने स्तर पर आग को बुझाने का प्रयास किया। मगर वह सफल नहीं हो पाया। इस पर बाद में बासनी फायर स्टेशन को सूचना दी गई।